... सिर्फ सच का साथ

जनमुख

वाराणसी, गुरुवार, 12 फरवरी-2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वाराणसी, लखनऊ, दिल्ली एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बिहार में प्रसारित

● वर्ष -43 ● अंक 146 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2 रुपया

बढ़ेगी सेना की ताक़त

114 राफेल और P-8I विमान खरीद को मिली मंजूरी

● भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा खरीद

● अनुमानित लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारत सरकार ने 114 राफेल फाइटर जेट को खरीदने की मंजूरी दे दी है, इसके अलावा पहले हे वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल को और भी ज्यादा ताकतवर बनाने के लिए फ्रांस के साथ स्कैल्प क्रूज मिसाइलों की भी डील पर चर्चा की गई है। देश की सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी ने एक ऐतिहासिक खरीद को मंजूरी दी है। परिषद ने भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों और नौसेना के लिए 6 P-8I पोसीडॉन समुद्री निगरानी विमानों की खरीद के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा खरीद योजनाओं में से एक माना जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। इस सौदे का सबसे अहम पहलू वायुसेना की गिरती स्क्वाड्रन संख्या को संभालना है। 114 नए राफेल विमानों के शामिल होने से भारतीय वायुसेना को 6 से 7 नए स्क्वाड्रन मिलेंगे। वर्तमान में वायुसेना के पास लगभग 30 स्क्वाड्रन हैं, जबकि देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए 42 स्क्वाड्रन की आवश्यकता है। डीएसी की मंजूरी मिलने के बाद अब यह प्रस्ताव अंतिम स्वीकृति के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास भेजा जाएगा। भारतीय वायु सेना के लिए पहले 5 राफेल विमान जुलाई 2020 में अंबाला वायुसेना स्टेशन पहुंचे और बाद में उन्हें सेवा में शामिल किया गया। भारत वर्तमान में 2 राफेल स्क्वाड्रन संचालित करता है: हरियाणा के अंबाला में स्थित 17 'गोल्डन एरो' और पश्चिम बंगाल के हासिमारा में स्थित 101 'फाल्कन'। भारतीय वायु सेना ने जुलाई 2021 में वायु सेना स्टेशन हासिमारा में नंबर 101 स्क्वाड्रन में राफेल विमान को औपचारिक रूप से शामिल किया।

समुद्री निगरानी भी होगी मजबूत

आसमान के साथ-साथ समंदर में भी भारत की निगरानी क्षमता बढ़ने वाली है। डीएसी ने नौसेना के बेड़े में 6 नए P-8I एयरक्राफ्ट जोड़ने को मंजूरी दी है। भारतीय नौसेना पहले से ही 12 P-8I विमानों का संचालन कर रही है। इन नए विमानों के आने से हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी (एंटी सबमरीन) क्षमता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

राहुल गांधी की संसदीय सदस्यता खत्म करने के लिए निशिकांत ने दिया नोटिस

नई दिल्ली। बीजेपी सासंद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस सासंद राहुल गांधी की संसदीय सदस्यता खत्म करने के प्रस्ताव को लेकर नोटिस दिया है। ये नोटिस तब दिया गया है जब राहुल गांधी ने बीते दिन इंडिया-US ट्रेड डील और यूनियन बजट पर सवाल खड़े किए थे। बीजेपी सांसद ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह बिना तथ्यों के आरोप लगा रहे हैं। बीते दिन लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राजनीति को मार्शल आर्ट से जोड़ते हुए कहा कि जैसे खेल में 'ग्रिप' और 'चोक' होती है। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति जाहिर की थी। अब अगर राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला सदन में आगे बढ़ता है तो उनकी चुनौती बढ़ सकती है। राहुल गांधी के भाषण में आरोपों को रिकॉर्ड से हटाने के लिए नोटिस दिया गया है। इसके साथ ही कुछ शब्दों को लेकर भी नोटिस दिया गया है। सचिवालय में दाखिल इस नोटिस में कहा गया है कि राहुल गांधी ने असंसदीय भाषा का उपयोग किया। तथ्यों पर आधारित न होने वाले आरोप लगाए। सदन की मर्यादा का उल्लंघन किया गया है। ये नोटिस लोकसभा की कार्यसूची और नियमावली के अनुसार, Rule 380 के तहत दी गई है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज 12 फरवरी को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 5,835 रुपए कम होकर 2,60,614 रुपए पर आ गई है। इससे पहले बुधवार को चांदी की कीमत 2,66,449 रुपए किलो थी। वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,175 रुपए गिरकर 1,56,147 रुपए पर आ गई है। इससे पहले बुधवार को ये 1,57,322 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल अब तक सोने की कीमत 22,952 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,56,147 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 30,194 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,60,614 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

बांग्लादेश में मतदान के दौरान झड़प बीएनपी नेता की मौत, कई जगह धमाका

नई दिल्ली। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। इस दौरान खुलना में एक वोटिंग सेंटर के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक BNP नेता मोहिबुज्जमान कोच्चि की मौत हो गई। BNP का कहना है कि उनकी मौत तब हुई जब जमात के एक नेता ने उन्हें धक्का दे दिया, जिससे वो पेड़ से टकरा गए। वहीं, जमात नेता का दावा है कि मोहिबुज्जमान हंगामे के दौरान बीमार पड़ गए थे और उन्हें हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी मौत हो गई। उधर बांग्लादेश के मुंशीगंज-3 और गोपालगंज सदर इलाके में वोटिंग सेंटर के बाहर देसी बम फेंके गए। मुंशीगंज-3 में धमाके के बाद कुछ देर के लिए वोटिंग रोकी गई थी, जो अब फिर से शुरू हो गई है। वहीं गोपालगंज सदर इलाके में धमाके से दो अंसार जवान (अर्द्धसैनिक बल) और एक 14 साल की लड़की घायल हो गई। बांग्लादेश में करीब 12.7 करोड़ मतदाता आज अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस चुनाव में युवाओं की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि लगभग आधे मतदाता 18 से 37 साल के हैं। इनमें करीब 45.7 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। अब तक देश के 33 हजार वोटिंग सेंटर्स पर 33 प्रतिशत मतदान हुआ है।

'घूसखोर पंडित' पर डायरेक्टर को फटकार

● जब तक नया टाइटल नहीं बताओगे, फिल्म रिलीज नहीं होने

नई दिल्ली। मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' फिल्म मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्ममेकर नीरज पांडे फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप ऐसा टाइटल इस्तेमाल करके समाज के एक हिस्से को क्यों बदनाम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्मेकर नीरज पांडे को फटकार लगाते हुए कहा कि जब तक आप हमें बदला हुआ टाइटल नहीं बताते, हम आपको फिल्म रिलीज नहीं करने देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 'घूसखोर पंडत' पर फिल्ममेकर नीरज पांडे से कहा कि फिल्म का टाइटल नैतिकता और पब्लिक ऑर्डर के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने नेटफ्लिक्स पर फिल्म 'घूसखोर पंडत' की रिलीज पर रोक लगाने की अर्जी पर केंद्र, CBFC और नीरज पांडे को नोटिस जारी किया है।

राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से नहीं मिली जमानत, अगली सुनवाई 16 फरवरी को

नई दिल्ली। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की जमानत याचिका पर आज दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की तमाम दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई को सोमवार 16 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 16 फरवरी को होगी। इससे पहले कोर्ट ने राजपाल यादव से कहा कि हमने आपको दो दर्जन से अधिक मौके दिए। साथ ही कोर्ट ने दूसरे पक्ष से भी जमानत याचिका पर जवाब मांगा है। बार एंड बेंच के अनुसार, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दूसरी पार्टी से भी जमानत याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

हल्द्वानी में युवक-युवती की हत्या से सनसनी, इलाके में दहशत

हल्द्वानी। हल्द्वानी के बरेली रोड स्थित नवीन मंडी की गल्ला मंडी में डबल मर्डर की घटना सामने आई है। एक युवक और एक युवती की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी गई है। गुरुवार सुबह मंडी में मिली दो लाशें मिलने से हड़कंप मच गया। युवक-युवती की निर्मम तरीके से हत्या की गई। मौके से लड़के की दो आईडी बरामद हुई हैं। बताया जा रहा है कि युवक चंपावत का रहने वाला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। दोहरे हत्याकांड से इलाके में दहशत का माहौल है।

अमिताभ ठाकुर देवरिया जेल से रिहा

देवरिया। दस दिसंबर से जिला कारागार में निरुद्ध पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को जेल अधीक्षक ने रिहा कर दिया। सीजेएम न्यायालय से रिहाई का आदेश आने के बाद जेल अधीक्षक ने उन्हें जेल से घर जाने की अनुमति दे दी। जेल से निकलने के बाद पूर्व आइपीएस गोपनीय स्थान पर बिना किसी को कोई सूचना दिए रिश्तेदारों के साथ रवाना हो गए। पूर्व आइपीएस को धोखाधड़ी से जमीन हड़पने के आरोप में जेल भेजा गया था। जिला उद्योग केंद्र देवरिया में वर्ष 1999 में औद्योगिक प्लाट आवंटन से जुड़े एक गंभीर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया था।

संभल में अवैध मदरसे पर बुलडोजर एक्शन, कई थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के बनियाठेर के नरौली नगर पंचायत में अवैध मदरसे पर बुलडोजर एक्शन हुआ। सरकारी जमीन पर बना मदरसा गिराया गया। बुलडोजर एक्शन के लिए प्रशासनिक टीम मौजूद है। कई थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी भी तैनात है। जानकारी के अनुसार, चंदौसी के नरौली के मोहल्ला बंजारी कुआं में सरकारी भूमि पर बने मदरसे पर बृहस्पतिवार को प्रशासन का बुलडोजर चला। अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर ने मदरसे को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। इस दौरान मौके पर भीड़ जुटी रही। तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर की ओर से 22 जनवरी को दो गाटा संख्या की भूमि को लेकर बेदखली के आदेश किए गए थे। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में रास्ता और खाद के नाम दर्ज है।

मजदूरों और किसानों की हड़ताल से जनजीवन प्रभावित

● छात्र समूहों और युवा संगठनों ने भी दिया समर्थन

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनों और किसान समूहों के आह्वान पर आज देशभर में भारत बंद के तहत व्यापक हड़ताल और प्रदर्शन देखे जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि श्रमिक संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार की नीतियां मजदूर और किसान हितों के खिलाफ तथा बड़ी कंपनियों के पक्ष में हैं। इसी के विरोध में दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साझा मंच ने यह राष्ट्रव्यापी कदम उठाया है जिसे कई किसान संगठनों, छात्र समूहों और युवा संगठनों का भी समर्थन मिला है। आज हो रही हड़ताल के दौरान उठ रही मांगों में मुख्य जोर चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, बिजली संशोधन विधेयक 2025 और बीज विधेयक 2025 को वापस लेने, नए परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को रोकने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने और मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने पर है। साथ ही मनरेगा जैसी ग्रामीण रोजगार योजना के लिए अधिक धन और मजबूत प्रावधान की मांग भी उठाई जा रही है। श्रमिक संगठनों ने जरूरी सामान, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम कम करने की भी मांग रखी है। हड़ताल के कारण कई जगह जनजीवन पर असर देखा गया। बैंकिंग, बीमा, डाक, परिवहन, खनन, गैस पाइपलाइन और बिजली जैसे क्षेत्रों में आंशिक बाधा की आशंका पहले ही जताई गई थी। हालांकि अस्पताल, आपात सेवाएं, निजी कार्यालय, मेट्रो सेवा और जरूरी आपूर्ति सेवाएं चालू हैं ताकि आम लोगों को बहुत अधिक कठिनाई न हो। केरल में हड़ताल का व्यापक असर दिखा है। राज्य में सरकारी बसें और अधिकतर निजी बसें सड़कों से गायब रहीं, जिससे कार्यालयों में उपस्थिति कम रही। राज्य सरकार ने पहले ही आदेश जारी कर कहा था कि बिना अनुमति अनुपस्थिति रहने पर उस दिन का वेतन काटा जा सकता है। फिर भी परिवहन सेवा ठप रहने से कई कर्मचारी ड्यूटी तक नहीं पहुंच सके। ऑटो यूनियन ने भी सेवा नहीं देने की घोषणा की। कोच्चि मेट्रो और ऑनलाइन टैक्सी सेवा चालू रहने से कुछ राहत मिली।

जनमुख हिन्दी दैनिक City लाइव
● तापमान अधिकतम : 26.6°C
● तापमान न्यूनतम : 10.5°C
● सूर्योदय : 06.10
● सूर्यास्त : 05.14
वाराणसी, 12 फरवरी, गुरुवार, 2026 (3)

मीरजापुर, बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में युवा महोत्सव में शामिल कुलपति व अन्य। छाया : जनमुख

भाजपा नेताओं ने बजट को सराहा

विकास एवं तकनीक के बीच संतुलन स्थापित करने वाला बताया

जनता के कल्याण, सामाजिक संतुलन और आर्थिक उन्नति को समर्पित

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डा. दयाशंकर मिश्र' दयालु' ने विधान सभा में प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट जनता के विकास की जरूरतों और सुशासन की प्रतिबद्धता की संकल्पना को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह बजट एक निर्णायक पहल है। आयुष मंत्री ने बताया कि प्रदेश में आयुष विभाग निरन्तर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। आयुष सेवाओं के लिये बजट वर्ष 2026-27 में लगभग 2,867 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

दूरदर्शी बजट में युवाओं, महिलाओं पर फोकस

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत किए गये बजट की भाजपा नेताओं ने सराहना करते हुए खुशी जाहिर की है। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत किया गया बजट राज्य का अब तक का सबसे बड़ा 9.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट है। इस 'दूरदर्शी' बजट में युवाओं, महिलाओं, किसानों और बुनियादी ढांचे पर विशेष फोकस किया गया है। कहा कि 2047 में भारत को विकसित भारत बनाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पुरा करने वाला यह बजट समावेशी विकास एवं आधुनिक तकनीक के बीच सशक्त संतुलन स्थापित करता है। कहा कि इस बजट में युवा, महिला, किसान, व्यापारी सहित बुनियादी ढांचो, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, रोजगार, व्यापार के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। बजट की सराहना करने वालों में अशोक चौरसिया, राकेश शर्मा, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, संतोष सोलापुरकर आदि रहे।

युवा वर्ग को सशक्त करने वाला बजट

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट को युवा सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए सामाजिक, व्यापारिक, धार्मिक चैरिटेबल ट्रस्ट से जुड़े गौरव राठी ने इसे 'समग्र और संतुलित विकास का रोडमैप' बताया है। गौरव राठी ने कहा कि बजट समाज के प्रत्येक वर्ग की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट में बुनियादी ढांचे के विस्तार तथा सामाजिक कल्याण की योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है।

बजट में एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने पर विशेष जोर

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। उत्तर प्रदेश रोलर फ़्लोर मिलर्स एसोसिएशन राष्ट्रीय महासचिव इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक कुमार बजाज ने प्रदेश सरकार द्वारा जारी बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 9,12,696 करोड़ का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। यह बजट आधारभूत संरचना विकास, औद्योगिक विस्तार, रोजगार सृजन तथा विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इस बजट में इसे विशेष प्राथमिकता दी गई है। बजट एमएसएमई क्षेत्र के लिए प्रोत्साहन, निवेश, अवसंरचना, ऊर्जा सुधार तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला विकासोन्मुखी बजट है। यह बजट प्रदेश को औद्योगिक एवं विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को नई गति प्रदान करेगा।

महाशिवरात्रि पर होलियाना अंदाज में निकलेगी शिवबारात

● 15 फर. को शाम सात बजे महामृत्युंजय मंदिर से निकलेगी बारात

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। महाशिवरात्रि पर काशी की शिवबारात हलियाना अंदाज में निकाली जाएगी जिसमें दैत्य, राक्षस, सभी देवी-देवता, यक्ष, गंधर्व, डीह बाबा, ताल-बैताल आदि शामिल रहेंगे। सात समुन्दर पार से बाबा के भक्त शामिल होने के लिए आ रहे हैं। पवहली बार शिव बारात में बाबा विश्वनाथ का राज दंड भी शामिल रहेगा। यह जानकारी शिव बारात समिति के महामंत्री संयोजक दिलीप सिंह ने आयोजित पत्रकारवार्ता में दी है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी, रविवार को शाम सात बपजे महामृत्युंजय मंदिर पर महिलाओं द्वारा परछन के बाद बारात रवाना होगी जो मैदागिन, नीचीबाग, चौक, काशी विश्वनाथ धाम होते हुए डेढ़सीपुल तक जाएगी। वहां से समिति के लोग बाबा दंड डमरूदल के साथ पूर्व महंत के निवास पर आयोजित शिव विवाह में शामिल होंगे। इस बार शिवबारात में बरसाने की लट्ठमार होली, वृन्दावन की फूलो की होली, आनंदपुर साहिब का होला मोहल्ला, गोवा का सिंगमोत्सव व कर्नाटक का हम्पी होली शामिल होगी। बाबा का शिवविवाह से संबंधी सभी लोकाचार अनूठे ढंग से सम्पन्न कराया जाएगा। इस बार त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग से हल्दी मंगायी गयी है। वहीं दूसरी तरफ बाबा सारंगनाथ मंदिर सारनाथ से मिठाई, फल-फूल व हल्दी लेकर आएंगे। 14 फरवरी को बाबा के ससुराल में मेंहदी और संगीत का कार्यक्रम होगा।

बीएचयू में 'यंग क्लाइमेट चैंपियंस प्रोग्राम' पर संवाद

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। आई.आई.टी. (बी.एच.यू.), वाराणसी के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक प्रेरणादायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अर्थ डे नेटवर्क इंडिया एवं वेस इंडिया (VESS India) के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता ए.के.टी.यू., लखनऊ एवं जे.यू.टी., रांची के पूर्व कुलपति, प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. पी. के. मिश्रा ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शोधार्थी, छात्र एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर कोलकाता से पधारे अर्थ डे नेटवर्क इंडिया के प्रतिनिधि मोनोदीप दत्ता ने 'यंग क्लाइमेट चैंपियंस प्रोग्राम' की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन वेस इंडिया की वॉलंटियर पलक श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत किया गया।

'समर्पण दिवस' के रूप में मनाई गयी पं. दीनदयाल की पुण्यतिथि

जनमुख डेस्क

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाया। वाराणसी जिला, महानगर और काशी क्षेत्र के सभी 28,087 बूथों पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। रोहनिया स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सेवा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर, क्षेत्रीय मंत्री राकेश शर्मा, राजेश राजभर, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह प्रभारी संतोष सोलापुरकर, सुरेंद्र पटेल, श्रीप्रकाश शुक्ला, अनिल श्रीवास्तव, संजय सोनकर, सुरेश सिंह, प्रवीण सिंह गौतम,सुरेन्द्र पटेल,मधुकर पांडेय आदि प्रमुख रहे।

पुण्य तिथि पर याद किए गए पंडित उपाध्याय

जनमुख डेस्क

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। महमूरगंज स्थित श्याम उपवन में भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर समर्पण दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय परिषद के सदस्य सुभाष गुप्ता रहे, एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर रामगोपाल मोहले थे। कार्यक्रम का संचालन महानगर के उपाध्यक्ष आत्मा विशेश्वर ने किया धन्यवाद प्रकाश नवीन कपूर द्वारा किया गया। उपस्थित प्रमुख लोगों में पूर्व एमएलसी केदार सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष प्रेम कपूर, राहुल सिंह, जगदीश त्रिपाठी, अशोक पटेल, चंद्रशेखर उपाध्याय, मधुकर चित्रांश, मधुप सिंह, नम्रता चौरसिया, रचना अग्रवाल, साधना वेदांती, गीता शास्त्री, प्रमोद यादव, योगेश वर्मा, अजय गुप्ता, शशांक अग्रवाल, सोमनाथ मौर्य आदि लोग रहे।

विजय विनीत की पुस्तक 'सपनों की पगडंडियाँ' का विमोचन 17 को

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक विजय विनीत की कृति 'सपनों की पगडंडियाँ' के विमोचन 17 फ़रवरी 2026 प्रातः 11:00 बजे अशोका इंस्टीट्यूट में किया जाएगा। यह पुस्तक प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा की उत्कर्ष यात्रा को संवेदनशील अल्फ़ाज़ों में संजोती है, जहाँ संघर्ष, संकल्प और साधना, ज़िंदगी को मायने देते हैं।

सीसीटीवी कैमरे एवं डीवीआर दुरुस्त रहना चाहिए

● जिलाधिकारी ने आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जनमुख डेस्क

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। शासन विभाग के निर्देश के क्रम में आगामी बोर्ड परीक्षा की सुचारू तैयारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस लाईन सभागार (टीन सेड) में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, बाह्य केन्द्र व्यवस्थाक एवं अन्तरिक केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक हुई। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने उपस्थित सभी केंद्र व्यवस्थापको, बाहया केंद्र व्यवथापक सेक्टर मैजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक मैजिस्ट्रेट को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। समस्त केंद्र व्यवस्थापक एवं बाहया केंद्र व्यवथापक को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्र के समस्त सीसीटीवी कमरे एवं डीवीआर क्रियाशील रहे। परीक्षा की सुचिता बनाए रखने हेतु अनिवार्य रूप से समस्त परीक्षार्थियों की फ्रिशकिंग की जाए तथा परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की अनुमति नहीं दी जाए।

युवा महोत्सव 'दिशा' के समापन समारोह में कुलपति ने की शिरकत

जनमुख डेस्क

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने बुधवार को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मीरजापुर, बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर का दौरा किया। इस दौरान कुलपति ने परिसर के स्वास्थ्य केंद्र का अवलोकन किया। कुलपति दक्षिणी परिसर के युवा महोत्सव 'दिशा' के समापन समारोह में उपस्थित रहे। समापन समारोह की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा लोक कलाओं की प्रस्तुति से हुई। गणेश वंदना से शुरू हुए सांस्कृतिक प्रस्तुति में जैसे ही भगवान राम के विवाह प्रसंग, बिहू, डांडिया, कीर्तन नृत्य के साथ पूरे पंडाल में लोक संस्कृति के रंग भरे। समापन समारोह पर कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि आयोजन में हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भावविभोर हूँ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. संजीव कुमार सिंह, आचार्य, माँ विन्ध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, मीरजापुर ने कहा कि हमें अपना हीरो अपने समाज, अपने आस-पास के लोगों में से चुने जो वास्तविक हीरो हैं।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट को मिला चौथा स्थान

वाराणसी। सीएम डैशबोर्ड की जनवरी माह की रैंकिंग में वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। पिछले छह महीनों से यह लगातार शीर्ष 10 जिलों में बना हुआ है, जबकि पहले यह अंतिम 10 में रहता था।

बजट या चुनावी पैंतरा!

● कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ने बजट को बताया वाहवाही लूटने और सुर्खियां बटोरने के लिए खेला गया दांव

जनमुख डेस्क

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। महानगर कांग्रेस कमेटी वाराणसी के अध्यक्ष राघवेन्द्र ने प्रदेश सरकार द्वारा जारी बजट को चुनाव के पहले का पैंतरा बताते हुए कहा है कि बजट में जो घोषणाएं व आश्वासन जनता को दिया गया है उसको सही ढंग और समयबद्ध तरीके से अमल भी किया जाना है चाहिए ताकि ये केवल कागजी न रह जायें। जो जमीनी क्रियान्वयन और व्यवहार पिछले वर्ष के बजट के साथ किया गया अगर वैसा ही कुछ इस बार के बजट के साथ भी किया गया तो एक फिर यह हवाहवाई ही साबित होगा। वर्तमान बजट महज वाहवाही लूटने और अखबारों की सुर्खिया बटोरने वाला है। बड़े-बड़े वादे और दावे किए गए है जिनका धरातल पर उतरना दिवास्वप्न जैसा लगता। ठीक वैसे ही 'अच्छे दिन' की उम्मीद लगाकर बैठे लोगों का सपना चकनाचूर हो गया। दरअसल उत्तर प्रदेश के लोग स्थाई आमदनी वाली रोज़गार व्यवस्था का इंतज़ार कर रहे हैं, सरकार अगर इस दिशा में कोई सार्थक पहल कर सकती है तभी बात बन सकती है, नहीं तो ये आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आवाम को बरगलाने और भ्रमित करने के लिए सत्ता का महज एक पैंतरा है।

जनता की उम्मीदों के साथ विश्वासघात

जनमुख डेस्क

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रवक्ता मुकेश सिंह ने प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को 'जनता की उम्मीदों के साथ विश्वासघात' बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की बदहाल स्थिति पर कोई ठोस समाधान प्रस्तुत नहीं करता। मुकेश सिंह ने कहा कि प्रदेश में युवा बेरोजगार घूम रहे हैं, शिक्षित नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा, लेकिन बजट में स्थायी नौकरियों के सृजन का कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं है। सिर्फ घोषणाएँ और आंकड़ों का खेल दिखाया गया है।

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल हरे कृष्ण ज्वैलर्स
सभापति, श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष : अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन
अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'

समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा

स्वात्वाधिकारी व स्वामी ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा' द्वारा 'गिरीश प्रिंटिंग प्रेस से मुद्रित एवं कार्यालय बी 3/1 काशीराज अपार्टमेंट नदेसर 221002 वाराणसी से प्रकाशित एवं प्रसारित।

रजि.33134/78.
फोन : 0542-2500324
9336929544
Email :
janmukh.vns@gmail.com

सुल्तानपुर समाचार

विवाहिता की ससुराल में मौत, पिता को हत्या का शक

सुल्तानपुर। एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बजाय उन्हें बचाने में जुटी है। घटना दोस्तपुर थाना क्षेत्र के भदिला खानीपुर गांव की है। पिता कन्हैया लाल ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी मंदाकिनी की हत्या उसके जेठ रविंद्र और जेठानी पूजा ने मिलकर की है। उन्होंने 6 फरवरी को थाने में तहरीर दी थी, लेकिन थाना प्रभारी ने तहरीर लेने से इनकार कर दिया और उन्हें डांटकर भगा दिया। कन्हैया लाल के अनुसार, उनकी बेटी मंदाकिनी की शादी विपिन से हुई थी, जो रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है। मंदाकिनी को ससुराल वाले अक्सर प्रताड़ित करते थे। दो दिन पहले उसे धमकी भी दी गई थी। पिता का आरोप है कि 5 फरवरी को मंदाकिनी को घर में बंद करके बुरी तरह पीटा गया और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। उनका दावा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सब कुछ स्पष्ट है, जो हत्या की ओर इशारा करता है। घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। कन्हैया लाल का कहना है कि अगर पुलिस ने जल्द ही मामला दर्ज नहीं किया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, तो वह पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाएंगे।

मऊ समाचार

डीएम ने किया परदहां ब्लॉक कार्यालय का निरीक्षण

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने विकासखंड परदहां कार्यालय में पहुंचकर अलग अलग पटलों की जांच की। जांच के दौरान उन्होंने स्थापना रजिस्टर, सर्विस बुक, योजनाओं की प्रगति, शिकायत पंजिका सहित मनरेगा पटल पर मनरेगा से संबंधित रजिस्टर, प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित पत्रावली तथा व्यक्तिगत पत्रावलियों की भी जांच की। शिकायत पंजिका का ठीक ढंग से रखरखाव ना होने पर उन्होंने संबंधित पटल सहायक एवं खंड विकास अधिकारी को इसे दुरुस्त कर एक सप्ताह के अंदर प्रस्तुत करने के निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने विकासखंड में स्थित अभिलेखागार का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभिलेखों के बेहतर रख रखाव तथा अभिलेखों से संबंधित मूल रजिस्टर तैयार करने के निर्देश दिया।

सोनभद्र समाचार

सोनभद्र में सड़क हादसे में हुई मौत

सोनभद्र। बीजपुर थाना क्षेत्र के मैनहवा-रजमिलान लिंक मार्ग पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नधीरा निवासी दीपू (25) पुत्र राजनारायण के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दीपू अपनी बहन और जीजा को बाइक से उनके घर रजमिलान छोड़ने गया था। उन्हें छोड़ने के बाद वह लगभग सात किलोमीटर दूर स्थित अपने ससुराल महुआदोहर लौट रहा था। इसी दौरान मैनहवा के पास एक मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में दीपू गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर पहुंचाया गया। वहां डॉ. पल्लवी सिन्हा ने प्रारंभिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। स्वास्थ्य कर्मियों ने घटना की सूचना मेमो के माध्यम से पुलिस को दे दी है। घटना की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। परिजनों ने बताया कि दीपू की शादी पिछले वर्ष ही हुई थी और उसकी दो माह की एक बच्ची भी है।

बलिया समाचार

शादी से लौटते समय बाइक में कार ने मारी टक्कर, 2 युवकों की मौत

गड़वार। थाना क्षेत्र के चांदपुर चट्टी के समीप मंगलवार की रात डेढ़ बजे कार की चपेट में आने से बाइक सवार प्रमोद कुमार राय और अनंत राय की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक व कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। किसी राहगीर की सूचना पर पहुंची गड़वार थाना पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सिंकदरपुर थाना क्षेत्र के पंदह निवासी प्रमोद कुमार राय (35) पुत्र रामसिंगार राय और अनंत राय (49 पुत्र अवधेश राय बाइक से चितबड़ागांव से किसी शादी के कार्यक्रम में शरीक होकर मंगलवार की देर रात फेफना-गड़वार मार्ग होते हुए अपने गांव जा रहे थे। गड़वार थाना क्षेत्र के चांदपुर चट्टी के समीप पहुंचे कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

भदोही समाचार

रजिस्टर के रखरखाव में लापरवाही, एसडीएम के पेशकार को नोटिस

भदोही। अपर आयुक्त विंध्याचल मंडल राजकुमार द्विवेदी ने बुधवार को भदोही तहसील और पालिका कार्यालय का निरीक्षण किया। तहसील परिसर में उपस्थित फरियादियों की शिकायतें सुनी। प्रार्थना पत्रों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

एसडीएम के पेशकार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा। अपर आयुक्त ने तहसीलदार न्यायालय, न्यायिक तहसीलदार न्यायालय, उप जिलाधिकारी (एसडीएम) न्यायालय, एसडीएम (न्यायिक) न्यायालय सहित विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम न्यायालय में ऑफलाइन प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज न किए जाने पर नाराजगी जताई। फाइलों के समुचित रख-रखाव में लापरवाही और मिसलेनियस रजिस्टर न बनाए जाने पर पेशकार आलोक दीक्षित को कारण बताओ नोटिस जारी किया। एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देशित किया कि वे 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित पड़े सभी राजस्व एवं न्यायिक प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारित किया जाए।

नगर पालिका परिषद का निरीक्षण करते समय सफाई, पेयजल व्यवस्था, अभिलेखों के रखरखाव, कर वसूली एवं योजनाओं की जानकारी ली। इस मौके पर एसडीएम अरूण गिरी, बरखा सिंह, तहसीलदार मिश्री सिंह चौहान, अधिशासी अधिकारी धर्मराज सिंह आदि रहे।

चंदौली समाचार

सांसद वीरेंद्र सिंह ने लोकसभा में उठाए चंदौली के मुद्दे

पीडीडीयू नगर। सांसद वीरेंद्र सिंह ने बजट सत्र के दौरान लोकसभा में चंदौली लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।उन्होंने बालिका छात्रावास, पीएम श्री स्कूल और मिनी स्टेडियम की स्थापना की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के शिक्षा व खेल विकास को गति मिलेगी। सांसद ने बटाईदार किसानों की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि सरकार द्वारा उन्हें फसल बीमा योजना में शामिल न किया जाना अनुचित है। उन्होंने किसानों के हित में एमएसपी गारंटी कानून की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सांसद ने काशी में विकास कार्यों के नाम पर ऐतिहासिक व पौराणिक धरोहरों को नुकसान पहुंचने का मुद्दा भी सदन के सामने रखा।

मीरजापुर समाचार

बूढ़ेनाथ मन्दिर में हाई लेविल अधिकारियों की बैठक

मीरजापुर। नगर के बूढ़ेनाथ मंदिर से 13 फरवरी को प्रस्तावित 'सनातन कर्फ्यू' कार्यक्रम प्रशानिक सूझबूझ से टल गया क्योंकि बुधवार 11 बजे प्रसासन की हाई लेविल कमेटी मंदिर में पहुंची और 15 फरवरी को निकलने वाली पालिका यात्रा परिक्षेत्र का भ्रमण कर सारी समस्याओं को चिह्नित किया और यह आशा आश्वासन दिया कि 15 फरवरी के पूर्व पालकी यात्रा मार्ग को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाएगा। नगर मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार के नेतृत्व में नगरपालिका, पीडब्ल्यूडी, विद्युत विभाग, जलकल विभाग, नगर अभियंता सहित एक दर्जन अधिकारी मंदिर में पहुँचे तथा सारी समस्याओं को सुनने के बाद तय किया गया कि पूरी पालकी यात्रा भ्रमण कर सड़क के गड्ढों तथा बिजली के लटकते तारों, अर्धनिर्मित सड़कों का अवलोकन अधिकारियों ने किया तथा मन्दिर के महंत डॉ योगानन्द गिरि को आश्वस्त किया की पालकी यात्रा मार्ग को पिछले वर्षों से भी अधिक बेहतर किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित नगरपालिकाध्यक्ष श्यामसुंदर केसरी ने कहा कि चूंकि शिवरात्रि के दिन बूढ़ेनाथ मंदिर के अलावा विविध शिवमंदिरों में पूजन एवं श्रृंगार तथा अन्य कार्यक्रम होते हैं, इसलिए बतौर अध्यक्ष वे पूरे नगर को सुव्यवस्थित रखेंगे। इस अवसर पर पीडब्लूडी के प्रांतीय खण्ड के अधिशासी अभियंता श्री अशोक कुमार, सहायक अभियंता श्री बी के पाण्डेय, ईओ नगरपालिका श्री जी लाल, पालिका के नगर अभियन्ता श्री विपिन कुमार मिश्र, विद्युत विभाग के सहायक अभियंता श्री दीपक कुमार पटेल, महिला जलकल अभियंता के अलावा गौरव ऊमर, अलंकार जायसवाल, सन्दर्भ पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

जौनपुर समाचार

छोटे भाई की गला दबाकर की हत्या, गिरफ्तार

शाहगंज (जौनपुर)। क्षेत्र के ताखा पूरब गांव में बुधवार की रात दो सगे भाइयों के बीच विवाद हो गया। मारपीट के दौरान बड़े भाई ने गला दबाकर छोटे भाई की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गांव निवासी सुदर्शन यादव (24) का बड़े भाई प्रवीण यादव से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। परिजनों के अनुसार देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान प्रवीण ने सुदर्शन का गला दबा दिया। जब तक परिवार के लोग बीच-बचाव करते, सुदर्शन अचेत हो चुका था। घटना से घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी प्रवीण यादव को गिरफ्तार कर लिया।

प्रयागराज समाचार

हाईकोर्ट ने कहा- ध्वस्तीकरण मामले में प्रक्रिया जारी रखें पर बिना इजाजत किसी भी स्थिति में घर न गिराएं

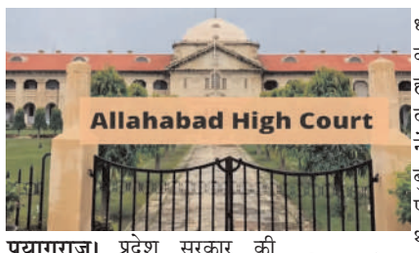

प्रयागराज। प्रदेश सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर इलाहाबाद हाईकोर्ट अपनी रोक बरकरार रखते हुए सख्त रुख अपनाया है। कहा है कि याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया जारी रखी जाए पर कोर्ट की अनुमति के बिना उनकी संपत्तियों का ध्वस्तीकरण किसी भी स्थिति में नहीं किया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने दिया है। हमीरपुर के सुमेरपुर थाना क्षेत्र निवासी फैमुद्दीन, मोइनुद्दीन और जैबुन निसा ने अपनी संपत्तियों के ध्वस्तीकरण पर रोक की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने पूर्व के आदेश में बुलडोजर कार्रवाई पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में दंड स्वरूप लोगों की इमारतें तोड़ी जा रही हैं। यह कोर्ट ऐसे कई मामलों का गवाह है। सजा के तौर पर इमारतों को तोड़ना शक्तियों के बंटवारे का खुला उल्लंघन है। क्योंकि, सजा देने का अधिकार न्यायपालिका के पास है। कोर्ट ने कई बिंदुओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा था। इसके लिए राज्य को दो सप्ताह का और समय दिया है। 25 फरवरी को अगली सुनवाई होगी।

देवरिया समाचार

प्रेमी की शादी से आहत युवती ने फंदे से लटककर दी जान

तरकुलवा/बाघौचाघाट। तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार देर शाम दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 19 वर्षीय एक युवती ने अपने कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जब परिजनों ने कमरे में युवती का शव फंदे से लटकता देखा तो घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने शव को नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दिए बिना ही देर रात अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार युवती का गांव के ही एक युवक से कई वर्षों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, लेकिन इसकी जानकारी दोनों पक्षों के परिजनों को नहीं थी। इसी बीच युवक के परिजनों ने उसकी शादी बिहार राज्य के गोपालगंज जिले में तय कर दी। मंगलवार शाम युवक की बारात धूमधाम से निकली। बताया जा रहा है कि जब युवती को यह जानकारी हुई कि उसका प्रेमी बारात लेकर जा रहा है, तो वह गहरे मानसिक तनाव में आ गई।

गोरखपुर समाचार

डीजे पर नाचने को लेकर हुआ विवाद, छात्र की पीट-पीटकर हत्या, दो गिरफ्तार

गोरखपुर। सिकरीगंज क्षेत्र के हरिजनपुर गांव में शादी समारोह में डीजे पर नाचने को लेकर विवाद में छात्र मुनीब चौहान (19) की मंगलवार रात पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह परिजनों और ग्रामीणों ने सिकरीगंज थाने का घेराव किया। पुलिस ने चार नामजद समेत पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दो गिरफ्तार कर लिया है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे मुनीब की बहन सरोजा देवी ने बताया कि 10 फरवरी को दुबई में रहने वाले भाई अनिल के ससुराल हरिजनपुर में साली की शादी थी। मुनीब कनैला गांव से बरात में शामिल होने गया था। रात करीब 10 बजे डीजे पर नाचने के दौरान गांव के कुछ युवकों से विवाद हो गया। विवाद में आरोपी युवकों ने साथियों के साथ मुनीब पर हमला कर दिया। मुनीब घायल होकर जमीन पर गिर गया, लेकिन आरोपी उसे पीटते रहे। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। नाराज परिजनों ने ग्रामीणों के साथ सिकरीगंज थाने का घेराव कर दिया। पुलिस ने समझाकर लोगों को शांत कराया।

मामले में सरोजा देवी ने हरिजनपुर निवासी आकाश चौहान, बॉबी चौहान, सत्येंद्र, निक्कू व एक अन्य के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने आकाश और बॉबी चौहान को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।शादी समारोह में डीजे पर नाचने के दौरान मारपीट हुई। इस मामले में घायल मुनीब की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गाजीपुर समाचार

महाशिवरात्रि पर बनेगा दुर्लभ संयोग, सर्वार्थ सिद्धि सहित कई शुभ योग

गहमर। महाशिवरात्रि पर ग्रह-नक्षत्रों का दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि, व्यतिपात, वरियान और ध्रुव योग के साथ-साथ सूर्य-बुध-शुक्र का त्रिग्रही योग भी रहेगा। इसके अलावा श्रवण नक्षत्र का संयोग भी बन रहा है, जिसे भगवान शिव के लिए प्रिय माना जाता है। ज्योतिषाचार्य पंडित रामाकांत पाण्डेय के अनुसार, यह शुभ योग कई दशकों बाद बन रहा है। ऐसे में इस दिन शिव पूजा, रुद्राभिषेक और मंत्र जाप का विशेष फल प्राप्त होगा। महाशिवरात्रि इस वर्ष 15 फरवरी को मनाई जाएगी। यह पर्व फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को आता है, जिसे वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण शिवरात्रि माना जाता है। महाशिवरात्रि के दिन सुबह से लेकर रात 7:40 बजे तक उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रहेगा। इसके बाद भगवान शिव को प्रिय श्रवण नक्षत्र का संयोग बनेगा। मान्यता है कि श्रवण नक्षत्र में की गई शिव आराधना और अभिषेक अत्यंत शुभ और फलदायी होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान शिव का शिवलिंग स्वरूप में प्रादुर्भाव हुआ था। वहीं एक कथा यह भी है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती सात जन्मों के बंधन में बंधे थे।

इसी कारण महाशिवरात्रि का महत्व शास्त्रों में अत्यंत विशेष बताया गया है। शिव महापुराण के अनुसार महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की कृपा पाने के लिए चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है। यह पूजा प्रदोष काल से लेकर निशिथकाल (मध्य रात्रि) और ब्रह्म मुहूर्त तक की जाती है। इस दौरान श्रद्धालु अपने संकल्प के अनुसार पूजा-अनुष्ठान कर सकते हैं।

आजमगढ़ समाचार

मदरसा शिक्षक के आवास पर ईडी की छापेमारी

आजमगढ़। जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मिल्लतनगर में बंद मदरसा शिक्षक शमसुल हुदा खान के अस्थायी आवास पर बुधवार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापेमारी की कार्रवाई की। ब्रिटेन की नागरिकता लेने के बावजूद भारत में वेतन और सेवानिवृत्ति लाभ लेने के आरोपों को लेकर जांच तेज कर दी गई है। हालांकि ईडी के अधिकारी कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक तौर पर कुछ भी बताने से बच रहे हैं। सुबह आठ बजे देर शाम तक ईडी शिक्षक के घर में जांच-पड़ताल करती रही। प्राप्त जानकारी के मुताबिक संतकबीरनगर निवासी शमसुल हुदा खान की नियुक्ति 12 जुलाई 1984 को आजमगढ़ स्थित 'दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम' में सहायक अध्यापक के पद पर हुई थी। वर्ष 2007 में वह ब्रिटेन चले गए और वर्ष 2013 में वहां की नागरिकता प्राप्त कर ली।

आरोप है कि ब्रिटिश नागरिक बनने के बाद भी उन्होंने 31 जुलाई 2017 तक भारत स्थित मदरसे से वेतन लिया। बताया जा रहा है कि इस अवधि में विभागीय मिलीभगत से उन्हें चिकित्सा अवकाश स्वीकृत किया जाता रहा और करीब 16 लाख रुपये वेतन के रूप में प्राप्त किए गए। वर्ष 2017 में उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति भी दे दी गई थी। मामले सामने आने के बाद शासन ने संबंधित मदरसे की मान्यता पहले ही निरस्त कर दी थी। साथ ही अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक एसएन पांडेय, गाजियाबाद के डीएमओ साहित्य निकेत सिंह, बरेली के लालमन और अमेठी के प्रभात कुमार को निलंबित किया जा चुका है। इन अधिकारियों पर आजमगढ़ में तैनाती के दौरान कथित रूप से लाभ पहुंचाने का आरोप है। फिलहाल मुबारकपुर स्थित अस्थायी आवास पर ईडी की कार्रवाई जारी है। पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है और आगे की कार्रवाई को लेकर सबकी नजरें जांच एजेंसियों पर टिकी हैं।

लाइफ मंत्र

एकादशी पर चावल क्यों नहीं खाते? जानें धार्मिक कारण और पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि विधिपूर्वक एकादशी व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। हालांकि, एकादशी व्रत के कई कठोर नियम होते हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण नियम है एकादशी के दिन चावल का सेवन न करना। आइए जानते हैं कि आखिर इस दिन चावल खाना क्यों वर्जित माना गया है और इसके पीछे कौन-सी पौराणिक कथा प्रचलित है।

एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावशाली उपाय माना गया है। यह व्रत आत्मशुद्धि, मन की एकाग्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को विजया एकादशी कहा जाता है, जो विशेष फलदायी मानी जाती है।

एकादशी पर चावल क्यों नहीं खाया जाता?

पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपना शरीर त्याग दिया। उनके शरीर के अंश धरती में समाहित हो गए। जिन स्थानों पर उनके शरीर के अंश गिरे, वहां से जौ और चावल उत्पन्न हुए।

चूंकि ये अनाज महर्षि के शरीर से उत्पन्न माने गए, इसलिए इन्हें 'जीव' के समान समझा गया। मान्यता है कि एकादशी के दिन ये अन्न सजीव अवस्था में होते हैं। इस कारण इस दिन चावल का सेवन करना महर्षि मेधा के शरीर के अंश का सेवन करने के समान माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख

पद्म पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन मिलता है कि जो व्यक्ति एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, उसके संचित पुण्य फलों का नाश हो सकता है। इसी कारण श्रद्धालुओं को इस दिन चावल से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

एकादशी व्रत में क्या खाएं?

एकादशी के दिन सामान्य अन्न का सेवन नहीं किया जाता। व्रती लोग फलाहार, दूध, मखाना, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा आदि का सेवन करते हैं। कुछ लोग निर्जला व्रत भी रखते हैं।

एकादशी व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का भी प्रतीक है। चावल का त्याग इसी परंपरा और पौराणिक मान्यता से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालु नियम-पूर्वक व्रत का पालन कर भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करते हैं।

दो से बेहतर तीन

परिवार में लक्ष्मी और दुर्गा पधार चुकी हों तो भी संपन्न व्यक्ति एक प्रयास और ज़रूर करता है। सामान्य कमज़ोर आर्थिकी वाला बंदा ऐसा करे तो पंगा कहा जाता है लेकिन स्थिति और सोच अपनी अपनी होती है। असमंजस रहता है और पता नहीं चल पाता कि रत्न मिलेगा या लक्ष्मी आएगी। सुना है ज़िम्मेदारी से भरा खर्चीला काम है लेकिन संजीदा कोशिश करो तो कौन सा काम है जो नहीं हो सकता। थोडा रिस्क तो है। महत्त्वपूर्ण, ज़रूरी, बड़े और रिस्की काम में सफलता हासिल करने के लिए कई चीज़ें निवेश करनी पड़ती हैं। एक लक्ष्मी और एक रत्न सहजता से मिल जाए तो आम बंदा, सामान्य तौर पर पंगा नहीं लेता। मान लिया जाता है कि परिवार पूरा हो गया। देश की जनसंख्या घटाने में कुछ सहयोग भी हो जाता है। परिवार में लक्ष्मी और दुर्गा पधार चुकी हों तो भी संपन्न व्यक्ति एक प्रयास और ज़रूर करता है। सामान्य कमज़ोर आर्थिकी वाला बंदा ऐसा करे तो पंगा कहा जाता है लेकिन स्थिति और सोच अपनी अपनी होती है। कई दम्पत्ति एक ही शिशु पैदा करते हैं, चाहे लक्ष्मी मिले या रत्न। सारा खेल पैसे का है। समझदारी भी काफी काम करती है। कभी समझदारी भी न पिघलने वाली बर्फ की तरह जम जाती है। आजकल दो बच्चों का रिवाज़ है। कुछ परिवारों में इससे थोड़ी परेशानी हो रही है जो बच्चा किसी भी तरह से विदेश जा पा रहा है, जा रहा है। दो बच्चों में से अगर एक पुत्र है और वह विदेश चला जाता है तो माता पिता को एक दूसरे के सहारे रहना, खाना, पीना और जीना पड़ता है। दूसरा बच्चा बेटी हो तो वह अपना परिवार, घरबार और ससुराल देखती है। वैसे भी अगर एक बच्चा विदेश में न होकर, देश में भी दूर नौकरी करता है तो ज़रूरी नहीं कि माता पिता उसके परिवार के साथ रह पाते हैं। उन्हें एक दूसरे के साथ रहना होता है। एक बच्चा और हो तो सुविधा रहती है। लड़ाई झगड़ा करना हो, किसी को पीटना हो तो तीन बच्चे ठीक रहते हैं। आजकल कोई बाहरी व्यक्ति, किसी की लड़ाई में अपनी टांग नहीं फंसाना चाहता इसलिए एक बच्चा और हो यानी तीन हों तो बेहतर है। किसी भी कीमत पर उसको अपने पास रखना व्यावहारिक है ताकि संस्कृति, परम्परा अनुसार बुढ़ापे का सहारा बने। अगर बुरे वक़्त के कारण कुछ अप्रत्याशित हो जाए तो एक बच्चा तो सलामत रहे। पहला बच्चा अभिभावकों की बात नहीं मानेगा तो तीसरा मान सकता है। मातापिता के ही ख्वाब पूरे करने के लिए तीन में से एक बच्चा तो कोशिश कर ही सकता है। यह काम अब सामाजिक स्तर पर आसान हो गया है। उन्होंने भी कहा है कि बच्चे तो तीन ही पैदा करने चाहिए। संपन्न दम्पत्ति तो आधा दर्जन भी कर सकते हैं। आग्रह करने वाले युगदृष्टा हैं। दूर की सोच पोषित कर सकने में सक्षम हैं तभी तो ऐसा कहा। उनके अनुसार कम बच्चे वालों के परिवार से जुड़े समाज का अस्तित्व खत्म हो जाता है।

समझदारों का निरोगी बचपन अभियान

स्वास्थ्य जैसे अस्वस्थ विषय पर बातचीत हमेशा होती रहती है। यह विषय पर्यावरण की तरह बहुत महत्त्वपूर्ण है। नियमित सेमीनार और शिविर होते हैं जिनमें प्रेरक भाषण होते हैं। सम्बंधित विभाग के कर्मचारियों को सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। वह बात अलग है कि इस दौरान समझदार कर्मचारी अपने निजी, पारिवारिक, सामाजिक कार्य भी सम्पन्न कर लेते हैं।

यह बात बहुत ज़्यादा तारीफ़ के काबिल है कि पिछले कई दशकों से, बेचारे बचपन को निरोगी रखने के संजीदा प्रयास निरंतर किए जाते रहे हैं। यह कार्य एक अभियान की तरह लिया जाता रहा है ठीक उसी तरह जैसे कुछ महीने के बच्चे, बड़े होते बच्चे, मोबाइल फोन को अपनाने के अभियान में लगे होते हैं। इस सन्दर्भ में उनके अभिभावक सरकारी योजनाओं की तरह, उनकी संजीदा मदद कर खुश हो रहे होते हैं।

बचपन निरोगी अभियान के अंतर्गत महिलाओं को स्वस्थ रखने, बेहतर पोषित करने, उनके परिवार को सशक्त बनाने के लिए ईमानदार कोशिश की जाती है। वह बात अलग है कि सामान्य हस्पताल में, चिकित्सक के कमरे के बाहर लगी कतार में गर्भवती महिलाओं के बैठने के लिए स्टूल तक नहीं होता।

स्वास्थ्य जैसे अस्वस्थ विषय पर बातचीत हमेशा होती रहती है। यह विषय पर्यावरण की तरह बहुत महत्त्वपूर्ण है। नियमित सेमीनार और शिविर होते हैं जिनमें प्रेरक भाषण होते हैं। सम्बंधित विभाग के कर्मचारियों को सघन प्रशिक्षण दिया जाता है।

वह बात अलग है कि इस दौरान समझदार कर्मचारी अपने निजी, पारिवारिक, सामाजिक कार्य भी सम्पन्न कर लेते हैं। कई बार उन्हें आवश्यक राजनीतिक दायित्त्व निभाने के लिए, प्रशिक्षण अवधि से ही समय चुराना पड़ता है। इसका प्रशिक्षण उन्हें पहले से होता है। ज़िम्मेदार विभागों के सदभाव, सहयोग, समन्वय और जागरूकता की मिसालें कायम हैं। हमारे यशस्वी इतिहास का हिस्सा हैं। इतिहास साक्षी है कि समझदार लोग अपना कर्तव्य भली भांति निष्पादित करने का, त्रुटि रहित पक्का रिकार्ड तैयार रखते हैं। इसे तैयार करने के लिए माहिर लोग प्रयोग किए जाते हैं जो यह जानते हैं कि शिशु के संसार में आते ही उसकी स्वास्थ्य जंग शुरू हो जाती है। प्रसव के लिए आर्थिक स्थिति के अनुसार ही प्रबंध हो पाता है।

परिस्थितियां ही उनकी देखभाल करती हैं। जीवन शैली के कारण ही हर आम या ख़ास महिला के शरीर में कोई न कोई कमी, परेशानी या बीमारी रहती है। शायद इस सब का असर बच्चे पर भी पड़ता होगा। इस दौरान समझदारों का निरोगी बचपन अभियान जारी रहता है। साफ़ सुथरे और स्वस्थ आंकड़ों का हलवा भी पकाया जा रहा होता है।

दूसरे किस्म के माहिर लोग विज्ञापन तैयार कर रहे होते हैं। अभियान की योजनाएं बचपन पर आकर्षक, सुविधाजनक और लाभदायक रौशनी डालती है। जिनसे पता चलता है कि पैदा होने के बाद बच्चोंके लिए उचित अंतराल पर लगने वाली वैक्सीन भी कतार में खड़ी होती हैं। उनसेयह भी पता चलता है कि कौन कौन सी बीमारी से बचाव होगा लेकिन यह तो भाग्य और आर्थिकपरिस्थिति ही बताती है कि अमुक वैक्सीन किन किन नक्षत्रों में पैदा हुए शिशुओं को मिलने वाली है या किसी भी हालत में नहीं मिलने वाली है।

उधर भूख और स्वास्थ्य की ज़रूरत, परेशान हालात में किसी अंधेरे कोने में पड़ी होती है जिसे वास्तव में नीति और राजनीति नहीं देखना चाहती। हम यहां पर माताओं के कुपोषण बारे ज्यादा बात नहीं कर सकते क्यूंकि उनके लिए भी समझदार लोग हमेशा जागरूक रहते हैं। पुराने अभियान बेस्वाद होने पर नए अभियान स्वादिष्ट बना सकने की खिचड़ी पका रहे होते हैं।

होम फैशन
रथयात्रा, वाराणसी
8573035762

बच्चों के डॉक्टर

गुप्त रोग विशेषज्ञ

कार्ड एवं स्टेशनरी

लेडिज सूट शॉप

आल टाइप गारमेंट्स शॉप

मेडिकल शॉप

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ

गृहणियों का गणित

एक बार घर में बड़ा धार्मिक अनुष्ठान ('पूजा' नहीं, बल्कि 'घर की साख' का प्रदर्शन) तय हुआ। रिश्तेदार ऐसे आने वाले थे, मानो किसी सरकारी जाँच कमेटी का दौरा हो। तीन दिन पहले ही त्रासदी हो गई। श्री रामनाथ जी (शान्ता देवी के पति) की कमर ने अचानक 'हड़ताल' कर दी। वे पलंग से ऐसे चिपक गए, जैसे किसी सरकारी फ़ाइल से अधिकारी।

शान्ता देवी के घर में दो 'कार्यशील महिलाएं' थीं—बहू 'रागिनी' और बेटी 'माधवी'। दोनों ही गृहणी। पर शान्ता देवी के मन के खाते-बही (लेखा-जोखा) में दोनों का मूल्य कभी बराबर नहीं हुआ। रागिनी, जो चौबीस घंटे घर की 'सरकारी मशीनरी' थी, उसका काम 'आवश्यक' श्रेणी में आता था। वह अन्नपूर्णा, सफाईकर्मी, नर्स और मैनेजर की भूमिका एक साथ निभाती थी। सुबह पाँच बजे उठकर वह घर के पहियों में तेल डालती थी, ताकि जीवन की 'रेलगाड़ी' पटरी से न उतरे। वहीं, माधवी, जो पास के शहर में अपने ससुराल में थी, उसका आना-जाना किसी 'विशेष अतिथि' के आगमन जैसा था। शान्ता देवी का मन कहता था: 'रागिनी तो 'कम्पलसरी आइटम' है, जिसके बिना दाल में नमक नहीं पड़ सकता। और माधवी? वह तो 'शो पीस' है, जिससे बाहर वाले खुश होते हैं।' यह मूल्य-निर्धारण बड़ा ही वैज्ञानिक था: जो महिला पास है और निरंतर सेवा में है, वह केवल 'जरूरत' है। जो दूर है और कभी-कभी आती है, वह 'प्यार' है। पास वाली मशीन है, दूर वाली भावना। यह भ्रम हर भारतीय घर में गहरी जड़ें जमा चुका है, जहाँ 'उपलब्धता' ही महिला के मूल्य को घटा देती है।

एक बार घर में बड़ा धार्मिक अनुष्ठान ('पूजा' नहीं, बल्कि 'घर की साख' का प्रदर्शन) तय हुआ। रिश्तेदार ऐसे आने वाले थे, मानो किसी सरकारी जाँच कमेटी का दौरा हो। तीन दिन पहले ही त्रासदी हो गई। श्री रामनाथ जी (शान्ता देवी के पति) की कमर ने अचानक 'हड़ताल' कर दी। वे पलंग से ऐसे चिपक गए, जैसे किसी सरकारी फ़ाइल से अधिकारी। अब पूजा की तैयारी कौन देखेगा? रिश्तेदारों की 'आव-भगत' का प्रबंधन कौन करेगा? शान्ता देवी के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत महसूस किया कि उनकी घरेलू प्रबंधन प्रणाली ध्वस्त हो गई है। ऐसे में रागिनी आगे आई। बिना किसी नाटक या शिकायत के, उसने 'अराजकता-नियंत्रण अधिकारी' का पद संभाल लिया। वह सुबह-सुबह पंद्रह लोगों का भोजन, ससुर जी को समय पर दवा, घर की सजावट—सब संभाल रही थी। वह घर की धुरी बन गई थी। अगर धुरी टूटती, तो पूरा घर 'गोल-गोल' घूमकर गिर जाता। उसका काम अदृश्य था, पर अनिवार्य। वह पंद्रह मिनट लेट होती, तो रामनाथ जी की दवा छूटती। वह एक दिन रुकती, तो पूरा घर भूखा सोता। उसकी मेहनत का कोई हिसाब नहीं था, क्योंकि गृहणी की मेहनत को 'प्रेम' नामक सरकारी सब्सिडी में डालकर शून्य कर दिया जाता है। इसी बीच, दूसरा संकट आया—सामाजिक दबाव। दूर की एक बुआ जी का फोन आया। उनका आदेश था कि उन्हें 'खास पारंपरिक व्यंजन' चाहिए, जो केवल शान्ता देवी को बनाना आता था। शान्ता देवी बीमार पति के पास थीं, रसोई में जा नहीं सकती थीं। अब रिश्तेदार नाराज़ होंगे! परंपरा टूटेगी! और बुआ जी की नाराज़गी का मतलब था, पूरे खानदान में 'मुसीबत' का वायरस फैलना! शान्ता देवी भावनात्मक दिवालियेपन के कगार पर थीं। तभी, माधवी (बेटी) आई। उसने रसोई में हाथ-पैर नहीं मारे (क्योंकि रसोई उसका 'विभाग' नहीं था, वह तो रागिनी का 'स्थायी कार्यालय' था)। माधवी ने माँ को हिम्मत दी, और सीधे 'कूटनीति' पर उतर आई। उसने फोन उठाया और बुआ जी से ऐसे बात की, मानो वह अंतर्राष्ट्रीय संधि करा रही हो। उसने बुआ जी को विश्वास दिलाया कि व्यंजन न बनने का कारण 'प्रेम' की कमी नहीं, बल्कि 'स्वास्थ्य' का संकट है। बुआ जी का गुस्सा शांत हुआ। माधवी ने केवल फ़ोन पर बात नहीं की, उसने रिश्तों के टूटे तारों को जोड़ा, माँ के मन का बोझ हल्का किया।

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ

लिवर रोग विशेषज्ञ

यूरोलॉजी विशेषज्ञ

मानसिक रोग विशेषज्ञ

हड्डी रोग विशेषज्ञ